सॉविनिर

व्याकरण सरोवर

08

TEACHER'S BOOK

सॉविनिर पब्लिशर्स प्रा. लि.

अध्याय-1 भाषा, लिपि और व्याकरण

बहुविकल्पी

1. संकेत करना 2. भाषण 3. गायन 4. लिपि 5. बाईस 6. गुरूमुखी

लिखित प्रश्न

(क)

हिंदी	–	देवनागरी	पंजाबी	–	गुरूमुखी
अंग्रेजी	–	रोमन	बांग्ला	–	बांग्ला
उर्दू	–	फारसी			

(ख) 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. गलत
5. सही 6. सही 7. सही 8. सही

(ग) उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, झारखंड आदि।

(घ) 1. हिंदी 2. बोलना, सुनना 3. लिखित 4. सांकेतिक भाषा
5. उपभाषा 6. व्याकरण

(ङ) स्वयं करें।

मौखिक प्रश्न

1. वह साधन जिसके द्‌वारा मनुष्य अपने भावों व विचारों का आदान-प्रदान करता है, भाषा कहलाती है।
2. भाषा के दो रूप हैं- लिखित रूप व मौखिक रूप।
3. भाषा एक विस्तृत क्षेत्र में बोली जाती है जबकि बोली का क्षेत्र सीमित होता है।
4. मौखिक ध्वनियों के लिखित रूप को व्यक्त करने वाले चिह्नों को लिपि कहते हैं।
5. उपभाषा किसी भाषा के सीमित क्षेत्र में बोली जाती है जबकि बोली किसी अत्यधिक सीमित क्षेत्र में स्थानीय व्यवहार में प्रयोग की जाती है।
6. व्याकरण भाषा के शुद्‌ध रूप का ज्ञान कराता है।
7. उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, दिल्ली आदि।
8. दक्खिनी हिंन्दी दक्षिण भारत के क्षेत्रों हैदराबाद, औरंगाबाद, गुलवर्गा, बीदर आदि क्षेत्रों में बोली जाती है।

गतिविधियाँ

(क)

1.	मलयालम	–	केरल
2.	तमिल	–	तमिलनाडु
3.	कन्नड़	–	कर्नाटक
4.	तेलुगु	–	आंध्र प्रदेश/तेलंगाना

(ख)

उड़ीसा	–	उड़िया	केरल	–	मलयालम
कर्नाटक	–	कन्नड़	सिक्किम	–	नेपाली
गोवा	–	कोंकणी	महाराष्ट्र	–	मराठी
झारखंड	–	संथाली	बिहार	–	मैथिली
झारखंड	–	संथाली			

अध्याय-2 वर्ण व्यवस्था

बहुविकल्पी

1. चार	2. प, फ, ब, भ, म	3. उत्क्षिप्त व्यंजन
4. अं, अः	5. म् + ओ + र् + अ + न् + ई	6. 'अ' की

लिखित प्रश्न

(क)	अनुस्वार	–	बंदर		अंग	कंगन	संग
	अनुनासिक	–	आँख		दाँत	माँद	ऊँट
	विसर्ग	–	प्रातः		अतः	छहः	स्वतः
(ख)	त् + य	–	त्य	=	त्याग	मृत्यु	
	च् + च	–	च्च	=	बच्चा	सच्चा	
	प् + प	–	प्प	=	गप्प	घुप्प	
	म् + म	–	म्म	=	मम्मी	चम्मच	
	र् + ग	–	र्ग	=	स्वर्ग	दुर्ग	
	ल् + य	–	ल्य	=	मूल्य	अमूल्य	
	त् + त	–	त्त	=	पत्ता	सत्ता	
	श् + य	–	श्य	=	अवश्य	दृश्य	
	ब् + व	–	ब्ब	=	दब्बू	डिब्बा	
(ग)	बादल	–	ब् + आ + द् + अ + ल् + अ				
	व्यक्ति	–	व् + य् + अ + क् + इ + त् + अ				
	मूषक	–	म् + ऊ + ष् + अ + क्र + अ				
	बगिया	–	ब् + अ + ग् + इ + य् + आ				
	प्रकट	–	प्र् + अ + क् + अ + ट् + अ				
	क्षुधा	–	क्ष् + उ + ध् + आ				
	कच्चा	–	क् + अ + च् + च् + आ				

मौखिक प्रश्न

1. मुख से उच्चरित ध्वनियों के लिखित रूप को वर्ण कहते हैं।
2. स्वरों का प्रयोग स्वतंत्र रूप से किया जाता है जबकि व्यंजनों के प्रयोग में स्वरों की सहायता ली जाती है।
3. स्वर के तीन भेद हैं।
4. व्यंजन के तीन भेद हैं।
5. किसी शब्द के वर्णों को अलग-अलग दर्शाना वर्ण-विच्छेद कहलाता है।

गतिविधियाँ

(क)	बच्चा	गुब्बारा	अम्मा	गुस्सा	पत्ता
	हल्ला	मुल्ला	चक्ना	रट्टा	पक्का

(ख)	स्पर्श व्यंजन	– ब, त	म		ब, ग, द
	अंतस्थ व्यंजन	– श	स	श, ह	
	ऊष्म व्यंजन	– र	य ब, ल, य	र	र
		– थ, म	थ		
		– स	ह		
		– र	ल, ल		

(ग)	अनुस्वर –	पंख	पतंग	झंडा	रंग	चंदन	पलंग
	अनुनासिक –	पाँच	दाँत	आँख	साँप	हँसना	हाँ

अध्याय-3 शब्द व्यवस्था

बहुविकल्पी

1. वर्णो का सार्थक समूह   2. दूध   3. भ्रमर   4. पंकज

लिखित प्रश्न

(क)	सप्त	–	सात	मयूर	–	मोर
	वानर	–	बंदर	हस्त	–	हाथ
	दुग्ध	–	दूध	गृह	–	घर
(ख)	आँख	–	अश्रु	गाँव	–	ग्राम
	दूध	–	दुग्ध	माथा	–	मस्तक
	मोर	–	मयूर	ऊँट	–	उष्ट्र

(ग)	रूढ़	–	पानी	रोटी	पक्षी	फूल
	यौगिक	–	पुस्तकालय	किताबघर	दिनेश	शिवालय
	योगरूढ़	–	नीलकंठ	विषधर	पीतांबर	गजानन

मौखिक प्रश्न

1. वर्णो के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।
2. शब्द के भेद पाँच आधारों पर किए जाते हैं।
3. संस्कृत के वे शब्द जो ज्यों हिंदी में प्रयुक्त होते हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। सस्कृत के वे शब्द जो कुछ रूप बदलकर हिंदी में प्रयुक्त होते हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।
4. जो शब्द क्षेत्रीय प्रभाव के कारण हिंदी में शामिल हो गए हैं, उन्हें देशज शब्द कहते हैं। जो शब्द विदेशी भाषाओं से हिंदी में आ गए हैं उन्हें विदेराज शब्द कहते हैं।

गतिविधियाँ

(क)	अंग्रजी	–	सिनेमा	मशीन	टैक्सी	डायरी	पुलिस
	फारसी	–	खत	कागज	नमक	गरीब	बगीचा

(ख) हस्त – तत्सम

भारत में हस्तकला बहुत समृद्ध हैं।

सर्प	–	तत्सम
		बरसात के मौसम में सर्प दंश का खतरा अधिक रहता है।
ग्राम	–	तत्सम
		किसान को ग्राम देवता भी कहते हैं।
चंद	–	तत्सम
		चंद्र की श्वेत चाँदनी बिखरी हुई है।
गृह	–	तत्सम
		मेरे नए घर का गृह प्रवेश सोमवार को है।

अध्याय-4 शब्द रचना-उपसर्ग

बहुविकल्पी

1. शब्दांश 2. चार प्रकार 3. परा 4. अप
5. कठिन 6. अति

लिखित प्रश्न

(क)

उपसर्ग	मूल शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द
स	फल	वि	सान
अन्	आर्य	सत्	कर्म
बे	ईमान	खुश	बू
सर	पंच	ला	परवाह
दुस्	साहस	निर्	मल
कम	ज़ोर	आ	जन्म
परा	क्रम	पर	नाना
अति	आचार	अप	यश
अनु	चर	प्र	मास
सु	पुत्र	हम	उम्र
अध	पका	भर	सक

(ख)

अ	–	अनाम	असमान	असमय
नि	–	निकम्मा	नि: संकोच	निकुंज
स्व	–	स्वतंत्र	स्वाधीन	स्वरचित
अनु	–	अनुक्रम	अनुकरण	अनुक्रमवाची
पर	–	परलोक	परजीवी	परवर्ती
कु	–	कुमार्ग	कुकर्म	कुचाल
स	–	सहित	समम्मान	सदोष
अभि	–	अभिकरण	अभिहित	अभिमान

	प्र	– प्रयोग	प्रकोप	प्रकुंचित
	वि	– विशेष	विनाश	विनम्र
(ग)	दुर्गंध	दुर्जन	सहपाठी	सहचर
	नापसंद	नासमझ	खुशबू	खुशहाल
	निर्मल	निर्बल	समतल	समभाग
	प्रहार	प्रचार	बेईमान	बेखबर

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्दांश शब्द के आरंभ में लगकर उसके अर्थ में विशेषता या परिवर्तन उत्पन्न कर देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।
2. हिंदी में चार प्रकार के उपसर्ग प्रयोग किए जाते हैं।

गतिविधियाँ

(क)	ख्यात	–	विख्यात	कुख्यात	
	कर्म	–	सुकर्म	दुष्कर्म	
	जन्म	–	आजन्म	पुनर्जन्म	
	बल	–	दुर्बल	सबल	
(ख)	लाइलाज		पराज्य	अवगुण	आजन्म
	अज्ञान		कमउम्र	सहचार	भरपेट

अध्याय-5 शब्द रचन-प्रत्यय

बहुविकल्पी

1. शब्द के पीछे 2. दो 3. इयल 4. खिलाड़ी 5. सामाजिकता

लिखित प्रश्न

(क)	चित्र + कार			चाय + वाला	
	शौकु + ईन			गरर्मी + ई	
	मामा + एरा			चमक + ईला	
	मानव + ता				
(ख)	धर्म + इक	=	धार्मिक	सब्जी + वाला	= सब्जीवाला
	चाचा + एटा	=	चचेरा	नमक + ईन	= नमकीन
	मीठा + पन	=	मीठापन	जादू + गर	= जादूगर
	कथा + वाचक	=	कथावाचक	शाप + ग्रष्त	= शापग्रस्त
(ग)	ईय	ता	इक	ता	
	पन	आ	इक	ता	
	ईय	ता	आवट	ई	

(घ)	वाला	–	फलवाला	काबुलीवाला
	इक	–	धार्मिक	सामाजिक
	भार	–	सुनार	लोहार
	ता	–	प्रभुता	मानवता
	एटा	–	ममेरा	चचेरा
	आलु	–	दायलु	कृपालु

मौखिक प्रश्न

1. वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में जुडकर उसके अर्थ में पखिर्तन या विशेषता उत्पन्न कर देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।
2. कृत् प्रत्यय और तद्धित प्रत्यय।

गतिविधियाँ

अ	+	समाज	+	इक	=	असामाजिक
दुर्	+	व्यसन	+	ई	=	दुर्व्यसनी

अध्याय-6 समास

बहुविकल्पी

1. शताब्दी 2. द्वंद्व समास 3. भरपेट 4. नर-नारी 5. कर्मधारय समास

लिखित प्रश्न

(क)	नीलकमल	–	नीला है जो कमल	कर्मधारय समास
	त्रिभुज	–	तीन भुजाओं का समूह	द्विगु समास
	यशप्राप्त	–	यश को प्राप्त	तत्पुरूष समास
	अन्न-जल	–	अन्न और जल	द्वंद्व समास
	अंधकूप	–	अंधा है जो कूप	कर्मधारय समास
	देहलता	–	देह रूपी लता	कर्मधारय समास
	हवनसामग्री	–	हवन के लिए सामग्री	तत्पुरूष समास
	आजीवन	–	जीवन भर	अत्यमीभाव समास
	चौमासा	–	चार मासों का समूह	द्विगु समास
	भुजदंड	–	दंड के समान भुजा	कर्मधारम समास
(ख)	गजानन	–	बहुव्रीहि समास	
	आचार-विचार	–	द्वंद्रव समास	
	महादेव	–	बहुवीहि समास	
	सत्याग्रह	–	तत्पुरूष समास	
	आजन्य	–	अत्ययीभाव समास	

करकमल	–	कर्मधारय समास
चतुरानन	–	बहुव्रीहि समास

(ग) नीलकंठ नीला है जो अंबर
नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव
पीतांबर पीला है जो अंबर
पीले हैं अबंर (वस्त्र) जिसके अर्थात् विष्णु
दशानन दस आननो हैं जिसके अर्थात् रावण
दस आनन हैं जिसके अर्थात् रावण
त्रिनेत्र तीन नेत्रों का समूह
तीन नेत्र हैं जिसकें अर्थात् शिव

मौखिक प्रश्न

1. शब्दों को संक्षिप्त करने की प्रक्रिया को समास कहते हैं।
2. समास के चार भेद हैं।

गतिविधियाँ

(क)	राजपुत्र	→	तत्पुरूष	←	रोगमुक्त	
	दोपहर	→	द्विगु	←	चौमासा	← चौराह
	बहन–भाई	→	द्वंद्व	←	अन्न–जल	

(ख) 1. यह पुस्तक हस्तलिखित है।
2. राधा–कृष्ण बोलो।
3. रमन जन्मांध है।
4. यथाशक्ति काम करो।

अध्याय–7 संधि

बहुविकल्पी

1. वर्णो का 2. तीन 3. नीरस 4. मनोहर 5. जगन्नाथ 6. बागीश

लिखित प्रश्न

(क)	चयन	नमस्ते
	हिमालय	एकैक
	बागीश	मनोरंजन
	रवींद्र	नायक
	स्वागत	अध्येता
(ख)	दिन + ईश	सुर + इंद्र
	गुरू + उपदेश	नदी + ईश
	उत् + ज्वल	पर + उपकार

	सत् + जन	वि + ऊह
	सदा + एव	महा + ऋषि
(ग)	नर + इंद्र	सत् + मार्ग
	मनः + बल	सु + अच्छ
	उत् + ज्वल	

मौखिक प्रश्न

1. दो वर्णो के पास-पास आने से जो विकार या परिवर्तन होता है, उस संधि कहते हैं।
2. संधि के तीन भेद हैं - स्वर संधि, व्यंजन संधि, विसर्ग संधि

गतिविधियाँ

(क) स्वरं करें।

(ख)	दिनेश	सुनेश	सतीश	मनोहर	रवींद्र
	सुरेंद्र	महेंद्र	कपीश	महेश	गनेश

(ग)	स्वर संधि	व्यंजन संधि	विसर्ग संधि
	साधूर्जा, अजंत	सज्जन, सम्मार्ग	निर्धन
	एकैक, स्वागत	उल्लोख	नमस्ते
	जगदीश , परोपकार		मनोहर
	हिमालय		सरोज
	स्वच्छ, दिंगबर		मनोज, निर्बल

अध्याय-8 संज्ञा

बहुविकल्पी

1. तीन भेद 2. पूरी जाति का बोध 3. ग्रंथ 4. पुत्र 5. मित्रता

लिखित प्रश्न

(क)	व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
	रमेश	नदी	वीरता
	सुमन	पानी	हँसी
	विपिन	बालक	खुशी
	शबनम	कुत्ता	लड़ाई
	शकील	तोता	चाल
	शैलेंड	हाथी	मूर्खता

(ख)
1. शत्रुता - भाववाचक
2. सुमन - व्यक्तिवाचक
3. नदी - जातिवाचक
4. सुंदरता - भाववाचक
5. कुतुबमीनार, दिल्ली - व्यक्तिवाचक

(ग) मनुष्य	–	मनुष्यता	सर्व	–	सर्वस्व
मित्र	–	मित्रता	प्रभु	–	प्रभुता
बुरा	–	बुराई	निर्धन	–	निर्धनता
चलना	–	चाल	सवेक	–	सेवा
हँसना	–	हँसी	कायर	–	कायरता
लड़का	–	लड़कपन	गम	–	गमी
सुंदर	–	सुंदरता	बहादुर	–	बहादुरी

मौखिक प्रश्न

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा के मुख्य तीन भेद हैं– व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा।

गतिविधियाँ

(क) 1. कायरता एक बड़ा अवगुण है।
2. हमारे देश में निर्धनता बहुत अधिक है।
3. रामू की पढ़ाई ठीक चल रही है।
4. वीरता राजपूतों का आभूषण है।
5. पंगल की सजावट देखते ही बनती थी।
6. स्वतंत्रता सभी को प्यारी होती है।
7. पके आमों में मिठास होती है।

(ख)

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
सुभाषचंद्र बोस	पहाड़ी	बहादुरी
रमेश गुप्ता	हिरन	सुंदरता
रजनी शर्मा	ताला	अच्छाई, सिलाई, धुलाई
किरन		

अध्याय-9 लिंग

बहुविकल्पी

1. दो 2. बिच्छू 3. गिलहरी 4. रचमित्री 5. धैर्यवती 6. निर्मला

लिखित प्रश्न

(क)

सास	नाई
गायिका	कवि
पुत्रवती	विद्वन
सम्राज्ञी	दांता
फूफी	पुत्रवान
तेलिन	भाई
जेठानी	वर

(ख) नित्य पुल्लिंग शब्द – उल्लू, मच्छर, कछुआ, भालू, बिच्छू

नित्य स्त्रीलिंग शब्द – कोयल, चील, मकड़ी, मक्खी, मैना

(ग)
1. गायिका की बहन का जन्मदिन है।
2. साध्वी ने रानी को आशीर्वाद दिया।
3. नेत्री ने अभिनेत्री को पुरस्कार दिया।
4. पुजारिन और ग्वालिन साथ-साथ रहती थी।
5. वह तपस्वी बहुत बड़ा कवि भी है।
6. विधाता सबके भाग्य का रचयिता है।
7. लाला के साथ दुबे भी बैठे हैं।
8. शेर ने दौड़कर ऊँट को दबोच लिया।

(घ)	आवर	–	लिखावर	बसावट	सजावट
	इया	–	बिछिया	बुढ़िया	कुतिया
	ता	–	शत्रुता	मित्रता	दासता
	भाई	–	लिखाई	चुहिया	लुटिया
(ङ)	आ	–	भूखा	प्यासा	लोटा
	भाव	–	चढ़ाव	बहाव	छिपाव
	पन	–	लड़कपन	बचपन	पागलपन
	आवा	–	बुलावा	पहनावा	चढ़ावा
	औड़ा	–	पकौड़ा	हथौड़ा	

मौखिक प्रश्न

1. पुरूष या स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्दों को लिंग कहते हैं।
2. लिंग के दो भेद हैं- पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग।

गतिविधियाँ

(क)

पर्वतों के नाम	पुल्लिग होते हैं।	नदियों के नाम
वारों के नाम	स्त्रीलिंग होते हैं।	झीलों के नाम
सागरो के नाम		भाषाओं के नाम
रत्नों के नाम		लिपियों के नाम
देशों के नाम		
आनाजों के नाम		

(ख) स्वयं करें।

अध्याय-10 वचन

बहुविकल्पी

1. दो भेद 2. प्राण 3. छाया 4. गुरूजन
5. क्रियाविशेषण 6. राजा ने बाल कटवाया।

लिखित प्रश्न

(क) 1. कबूतर आकाश में उड़ रहे हैं।
2. सैनिकों के पाठ भाले हैं।
3. मेरे पाठ अनेक रुपए हैं।
4. मैदान से कुरसियाँ रखी हैं।
5. उधर बिल्लियाँ बैठी हैं।
6. उधर बिल्लियाँ बैठी हैं।

(ख)

बुढ़ियाँ	मजदूरवर्ग
बस्ते	आँखें
बालाएँ	नदियाँ
छात्राएँ	चुहियाँ
महिलाएँ	गाएँ

(ग) 1. एकवचन 2. बहुवचन 3. बहुवचन 4. बहुवचन 5. बहुवचन

मौखिक प्रश्न

1. शब्द के जिस रूप में उसके एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।
2. वचन के दो भेद हैं – एकवचन तथा बहुवचन।

गतिविधियाँ

(क) जनता – सरकार के कार्यक्रमों पर जनता की नजर है।
होश – खुले आसमान के नीचे सोने पर होश ठिकाने आ जाएँगे।
दर्शन – अरे महानुभाव! आपके तो दर्शन दुर्लभ हैं।
आग – आग सब कुछ जला कर राख कर देती है।
प्राण – आज लाला दुखीराम के प्राण निकल गए।
वर्षा – सुबह से भारी वर्षा हो रही है।

(ख)

बुढ़ियाँ	गाएँ	कुत्ते	मजदूर वर्ग
खटियाँ	दिशाएँ	चूहे	निम्नवर्ग
मक्खियाँ	कलाएँ	मेले	महिलावर्ग
चिड़ियाँ	कन्याएँ	गधे	

अध्याय-11 कारक

बहुविकल्पी

1. विभक्ति	2. संप्रदान	3. अपादान कारक
4. कर्म कारक	5. अधिकरण कारक	6. करण कारक

लिखित प्रश्न

(क)

1. संप्रदान कारक	2. करण कारक	3. अपादान कारक
4. संबंध कारक	5. कर्म कारक	6. अधिकरण कारक

(ख)

1. अपादान कारक	2. करण कारक	3. अपादान कारक
4. अपादान कारक	5. अपादान कारक	6. करण कारक
7. करण कारक	8. अपादान कारक	

(ग)
1. मैं स्कूल से आ रहा हूँ।
2. चार बालकों ने खूब काम किया।
3. कहाँ जा रहे हो?
4. जोर से बादल गरज रहे हैं।
5. राम ने बाण से रावण को मारा।
6. मैंने कुछ का कुछ बोल दिया है।
7. माली ने पौधों को पानी दिया।
8. स्वार्थी लोंगों ने धन-संचय किया है।

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से दूसरे शब्दों के साथ उसके संबंध का बोध होता है उसे कारक कहते हैं।
2. कारक या विभक्ति चिह्न आठ प्रकार के होते हैं।

गतिविधियाँ

(क) 1. कर्म कारक 2. संप्रदान कारक 3. कर्म कारक 4. संप्रदान कारक 5. कर्म कारक

(ख)
1. राम ने खाना खाया।
2. मोहन को बुलाओ।
3. चाकू से सेब काट कर ले आओ।
4. पिताजी सोनू के लिए पुस्तक लाए।
5. स्वामी कुत्ते से डरता है।
6. राम का भाई लखनऊ गया है।
7. पेड़ पर रेंघनी चिड़िया बैठी है।
8. अरे शंभू! तुम्हारा फोन आया है।

अध्याय-12 सर्वनाम

बहुविकल्पी

1. छह भेद　　2. वह, वे, उसे　　3. निश्चयवाचक सर्वनाम
4. निजवाचक सर्वनाम　　5. जैसा करोगे वैसा भरोगे

लिखित प्रश्न

(क) 1. तुम्हारी　2. तुम्हें　3. उसका　4. उन्होंने, वे　5. ये　6. उसे

(ख) 1. वह – अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम
2. कौन – प्रश्नवाचक सर्वनाम
3. किसने – प्रश्नवाचक सर्वनाम
4. उसे – अन्य प्ररूषवाचक सर्वनाम
5. वह – अन्य पुरूष वाचक सर्वनाम

(ग) 1. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
2. निजवाचक सर्वनाम
3. संबंधवाचक सर्वनाम
4. उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम
5. निश्चयवाचक सर्वनाम

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शहर सर्वनाम कहलाते हैं।
2. सर्वनाम के छह भेद हैं।

गतिविधियाँ

(क) कोई – बाहर कोई खड़ा हुं।
अपना – मैं अपना काम करता हूँ।
वे – बुलाने पर भी वे नहीं आए।
उन्होंने – उन्होंने दिल्ली में मकान खरीदा है।
कौन – मेरे जाने के बाद घर में कौन आया था?
यही – यही मोहन की कमीज़ है।
मैं – मैं पुस्तक मेले में जा रहा हूँ।
हम – रात की गाड़ी पकड़कर हम आगरा जाएँगे।
वह – वह राम का भाई है।
स्वयं – मैं स्वयं बाजार जाऊँगा।
आप – आप आज मत आना।

अध्याय–13 विशेषण

बहुविकल्पी

1. चार प्रकार 2. गुणवाचक विशेषण 3. तीसरा 4. वे लोग कहाँ जाएँगे?

लिखित प्रश्न

(क) 1. पंजाबी 2. तीसरा 3. नाशवान 4. दो मीटर 5. दुगुना

(ख) प्राकृतिक पंजाबी
भीतरी नमकीन
भारतीय बलशाली
भगोड़ा सड़ियल
पियक्कड़ दयालु
वार्षिक दयालु
कैसा वैसा

(ग) 1. उस – सार्वनामिक विशेषण
2. बहुत – परिमाणवाचक विशेषण
3. कुछ – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
4. बाहरी – संख्यावाचक विशेषण
5. आठवीं – संख्यावाचक विशेषण
6. ठंडे – गुणवाचक विशेषण
7. थोड़ा – अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
8. दस किला– निश्चित परिमाणवाचक विशेषण
9. सफेद – गुणवाचक विशेषण
10. वह – सार्वनामिक विशेषण

(घ) 1. वह – सार्वनामिक विशेषण
2. वह – सर्वनाम
3. उस – सार्वनामिक विशेषण
4. मेरी – सार्वनामिक विशेषण
5. उसे – सर्वनाम
6. यह – सार्वनामिक विशेषण
7. ये – सार्वनामिक विशेषण
8. उसकी – सार्वनामिक विशेषण

(ङ) 2. बहुत ईमानदार
3. बड़ा झूठा
4. अति सुंदर
5. अत्यंत गर्वीला

(च)	मित्र	– सच्चा, झूठा		घर	–	बड़ा, सुंदर
	पानी	– मीठा, साफ		वृक्ष	–	हरा, विशाल
	पहाड़	– ऊँचा, विशाल		नदी	–	लंबी, गहरी
	फल	– मीठा, ताजा		फूल	–	रंग-बिरंगा, सुंदर, लाल

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।
2. विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं जबकि जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं।
3. विशेषण के चार भेद हैं।
4. विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्दों को प्रविशेषण कहते हैं।

गतिविधियाँ

1. मूसलाधार बारिश के कारण जीवन मस्त-व्यस्त हो गया है।
2. दयालु राजा ने शिकारी को छोड़ा दिया।
3. राम मेरा चचेरा भाई है।
4. मेरा देश भारत गर्वीला है।
5. आज वार्षिक परेड निकल रही है।
6. हठीला व्यक्ति बाद में पछताता है।
7. सुखी आदमी संतोषी होता है।
8. दुखी व्यक्ति अप्रसन्न रहता है।
9. मोहन अच्छा तैराक है।
10. ग्रामीण वातावरण अभी भी प्रदूषण मुक्त है।

अध्याय-14 क्रिया

बहुविकल्पी

1. धातु	2. अकर्मक	3. दो या अधिक क्रियाओं का संयोग
4. बतियाना	5. पढ़वाना	6. लिखकर

लिखित प्रश्न

(क)	1. अकर्मक	2. सकर्मक	3. सकर्मक	4. सकर्मक	5. सकर्मक
	6. अकर्मक	7. सकर्मक	8. अकर्मक		

(ख)	झूठ	–	झुठलाना	बात	–	बतियाना
	साठ	–	सठियाना	हाथ	–	हथियाना
	फिल्म	–	फिल्माना	शर्म	–	शर्माना
	गरम	–	गमरमाना	थरथर	–	थरथराना

(ग)	चलना	–	चलना	चलवाना
	पढ़ना	–	पढ़ाना	पढ़वाना
	खेलना	–	खिलाना	खिलवाना
	डूबना	–	डुबाना	डुबवाना
	पीसना	–	पिसाना	पिसवाना
	बोलना	–	बुलाना	बुलवाना

(घ) 1. उठकार 2. गिरकर 3. खाकर 4. दौड़कर

मौखिक प्रश्न

1. जिस शब्द से किसी कार्य का करना या होना पाए जाए उसे क्रिया कहते हैं।
2. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं– अकर्मक क्रिया तथा सकर्मक क्रिया।
3. जिस क्रिया के साथ कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। बिना कर्म वाली क्रिया अकर्मक क्रिया कहलाती है।
4. संरचना के आधार पर क्रिया के चार भेद हैं।

मौखिक प्रश्न

द्विकर्मक क्रिया – रोहन अपने पिताजी को पत्र लिखता है।

संयुक्त क्रिया – 1. रोशनी बैग उठाकर पढ़ने चली गई।
2. मैं जाते-जाते रह गया।

नामधातु क्रिया – 1. सीमा बाहर निकलने में शर्माती है।
2. बदलू ने सारा सामान हथिया लिया।

प्रेरणार्थक क्रिया – 1. सेठ रामचरन मुनीम जी से हिसाब लिखवाता है।
2. गीता चरवाहे से गाय को चारा खिलवाती है।

पूर्वकालिक क्रिया – 1. मैं जल्दी उठकर पार्क जाऊँगा।
2. बबूल खाकर सोएगा।

अध्याय-15 क्रिया-काल

बहुविकल्पी

1. तीन भेद 2. अपूर्ण भूत 3. गाय दूध देती है। 4. मौसी शायद खिलौने लाए

लिखित प्रश्न

(क) 1. पी रहा है। – वर्तमान काल (अपूर्ण)

2. चली गई – भूतकाल (पूर्ण)

3. आता/चल पड़ता – भूतकाल (हेतु हेतुभद्)

4. उड़ा रहे होंगे – वर्तमान काल (संदिग्ध)

(ख) 1. उठा लिया 2. जा रहे हैं 3. जाएँगें 4. हैं

मौखिक प्रश्न

1. जिस शब्द से क्रिया के होने के समय का पता चले उसे काल कहते हैं।
2. काल के मुख्य तीन भेद हैं।

गतिविधियाँ

खेलना	-	1. रवि खेलता है।	–	वर्तमान
		2. रवि खेलेगा।	–	भविष्य
		3. रवि खेल चुका है।	–	भूतकाल
लिखना	-	1. सीमा लिखती है।	–	वर्तमान
		2. सीमा निंबंध लिखेगी	–	भविष्य
		3. सीमा ने निंबध लिखा	–	भूतकाल
बनाना	-	1. राजू चित्र बनाता है।	–	वर्तमान
		2. राजू कल चित्र बनाएगा।	–	भविष्य
		3. राजू ने चित्र बना लिया है।	–	भूतकाल
पढ़ना	-	1. रोशनी पढ़ रही है।	–	वर्तमान
		2. रोशनी शाम को संस्कृत पढ़ेगी।	–	भविष्य
		3. रोशनी हिंदी का पाठ पढ़ चुकी है।	–	भूतकाल
खरीदना	-	1. पिताजी सब्जी खरीद रहे हैं।	–	वर्तमान
		2. सूरज कल पुस्तक खरीदेगा।	–	भविष्य
		3. नीरज पिज्जा खरीद चुका था।	–	भूतकाल
नाचना	-	1. जगल में मोर नाच रहे हैं।	–	वर्तमान
		2. श्रुति कल पार्टी में नाचेगी।	–	भविष्य
		3. माइकल दशहरे पर नाचा था।	–	भूतकाल

अध्याय-16 क्रिया विशेषण

बहुविकल्पी प्रश्न

1. क्रिया की 2. निरंतर 3. सहसा 4. भीतर 5. रीतिवाचक

लिखित प्रश्न

(क) 1. कभी 2. प्रतिदिन 3. परसों 4. दिन भर 5. बार-बार 6. फिर कभी

(ख) 1. सुबह - कालवाचक क्रिया विशेषण
2. बहुत - परिमाणवाचक क्रिया विशेषण
3. कहाँ - स्थानवाचक क्रिया विशेषण
4. धीरे-धीरे - रीतिवाचक क्रिया विशेषण
5. उतना-जितनी- परिमाण वाचक क्रिया विशेषण
6. उधर - स्थान वाचक क्रिया विशेषण
7. रातभर - कालवाचक क्रिया विशेषण
8. कम - परिमाणवाचक क्रिया विशेषण
9. शायद - रीतिवाचक क्रिया विशेषण
10. इतना - परिमाण वाचक क्रिया विशेषण

(ग) 1. कम - विशेषण
2. तेज - क्रियाविशेषण
3. अधिक - क्रियाविशेषण
4. बहुत - विशेषण
5. बहुत - क्रियाविशेषण
6. थोड़ा-थोड़ा - क्रियाविशेषण
7. सुदंर - विशेषण
8. अच्छा - क्रियाविशेषण

लिखित प्रश्न

(क) 1. जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं।
2. क्रियाविशेषण के चार भेद हैं।
3. स्थान वाचक क्रियाविशेषण क्रिया ही स्थान संबंधी जबकि कालवाचक क्रिया विशेषण क्रिया की की समय संबंधी विशेषता बताते हैं।
4. परिमाण वाचक विशेषण संज्ञा की मात्रा अथवा परिमाण संबंधी विशेषता प्रकट करते है जबकि परिमाणवाचक क्रियाविशेषण क्रिया की मात्रा अथवा परीमाण संबंधी विशेषता प्रकट करते हैं।

गतिविधियाँ

(क)

कभी	अचानक	बाहर	सुबह
पीछे	खूब	सामने	कहाँ
यहाँ	बार-बार	कम	तरफ

(ख) 1. श्यामू अधिक काम करता है।
2. रमेश खूब जानता है।
3. मुझे कुछ रुपए दे दो।
4. हमारे पास काफी पूँजी है।
5. हमारी टीम में पर्याप्त खिलाड़ी हैं।
6. चाय में कम चीनी डालों।

1. कम खाओ अधिक पचाओ।
2. खूब नाम कमाओ।
3. परीक्षा निकट है कुछ पढ़ लो।
4. अब तक हम काफी चल चुके थे।
5. सभी के लिए भोजन पर्याप्त है।
6. कम खाकर सो जाओं।

अध्याय-17 संबंधबोधक समुच्चयबोधक एवं विस्मयादिबोधक

बहुविकल्पी

1. काल सूचक 2. के विपरीत 3. इसलिए 4. क्योंकि 5. द्यत्।

लिखित प्रश्न

(क) 1. के पास 2. के मारे 3. के विरुद्ध 4. इसलिए 5. के बिना
6. की अपेक्षा 7. के साथ

(ख) 1. या 2. ताकि 3. तो 4. और 5. क्योंकि
6. अन्यथा 7. परंतु

(ग) 1. अच्छा 2. अरे 3. बाप रे 4. वाह 5. सावधान
6. ओह 7. वाह 8. धन्य भाग्य

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के साथ आकर उनका संबंध अन्य शब्दों से बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं।
2. जो श्ब्द दो पछों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने का काम करते हैं, उन्हे समुच्चय बोधक कहते हैं।
3. समुच्चयबोधक के दो भेद हैं- समानाधिकरण तथा व्यधिकरण।
4. विस्मय, हर्ष, शेक, घृणा आदि भावों का बोध कराने वाले शब्द विस्मयादिबोधक कहलाते हैं।

गतिविधियाँ

(क) 1. विद्यालय के आगे बरगद का पेड़ है।
2. बीमार होने के कारण मैं प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया।
3. घर के बाहर विशाल मंदिर है।
4. मोहन के पश्चात रोशनी पुरस्कार लेने जाएगी।
5. कानून के विरुद्ध काम करना दंडनीय है।
6. घर के भीतर अनार का पेड़ है।

(ख) 1. रामा और श्यामा तुलसी के दो प्रकार हैं।
2. मोहन मेले मे नहीं जाएगा क्योंकि वह बीमार है।
3. थौड़ा रुक जाओं ताकि मैं भी तैयार हो जाऊँ।
4. महात्मा गाँधी ने कहा कि करो या भरो।
5. सूरज ने गाना गाया परंतु उसमें लय नहीं थी।
6. जागरण में मैं इसलिए नही जा सका क्योंकि बीमार था।
7. तुम जल्दी आ जाना अन्यथा मैं निकल जाऊँगा।
8. आगरा की यात्रा पर सूरज जाएगा अथवा विजय जाएगा।

(ग) 1. वहा-वाह! क्या करतब दिखाया है।
2. हाय-हाय! कल्लू की जवान बकरी मर गई।
3. बाप रे बाप! इतना बड़ा धोखा

4. छि:छि:! तुम्हें ऐसी गंदी बात करते शर्म नही आती।

5. सावधान! आगे बिजली का तार रास्ते मे पड़ा है।

6. शाबाश! खूब तरक्की करो।

7. जय हो! देश का खूब मान बढ़ाया।

(घ)	वाह!	छि:!	है:!	गजब!	अरे!	ठीक!
	वाह–वाह!	छि:छि:!	क्या!	हे भगवान!	हे!	बहुत अच्छा!
	बहुत खूब!	धिक्कार!	ऐसा!	त्राहि–त्राहि!	सुनो!	हाँ हाँ!

अध्याय–18 शब्द–भंडार

बहुविकल्पी

1. तरंग 2. केकी 3. अनीश 4. भाग्य 5. उत्पस्ति

लिखित प्रश्न

(क) 1. → 4 2. → 5 3. → 6

4. → 3 5. → 2 6. → 1

(ख)	राम	×	द्वेष	संपन्न	×	विपन्न
	इच्छ	×	विजय	सम्मुख	×	विमुख
	पराज्य	×	अनीश्वर	आगत	×	अनागत
	ईश्वर	×	अनीश्वर	आदि	×	अंत
	संयोग	×	वियोग	आर्द्र	×	अनार्द्र/शुष्क
	गुप्त	×	प्रकट	खीज	×	रीझ
	कृपण	×	उदार	कटु	×	मृदु

(ग)	कनक	–	गेहूँ	सोना	चपला	–	बिजली	चंचल स्त्री
	जलधर	–	समुद्र	बादल	वार	–	हमला	सप्ताह के दिन
	कुल	–	वंश	सब	वन	–	जंगल	जल
	नग	–	पर्वत	नगीना	मित्र	–	दोस्त	प्रिय
	दल	–	पत्ता	समूह	वर	–	वरदान	दूल्हा
	भव	–	महादेव	जन्म	रस	–	सार	आनंद

(घ) 1. किला – रणथंभौर का किला बहुत प्रसिद्ध है।

कीला – तट पर नावें कीले से बंधी रहती हैं।

2. प्रधान – राक गार्डन क्लब के प्रधान श्री हरीश कक्कड़ हैं।

परिधान – विवाह के परिधान बहुत कीमती हैं।

3. अंगना – अंगना घर का गहना है।

अँगना – चौरए आँगना बनवाया ठीक रहेगा।

(ङ) 1. अदमनीय/अदम्य 4. अशक्त

2. बेनाम/अनाम 5. माँसाहारी

3. निर्दय 6. दूरदर्शी

मौखिक प्रश्न

1. समान अर्थ व्यक्त करने वाले समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।
2. विपरीत अर्थ प्रकट करने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।
3. जो शब्द देखने-सुनने में प्राय: समान लगते हैं। परंतु उनके अर्थ भिन्न होते हैं, उन्हें समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहलते हैं।
4. जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्पक शब्द कहलते हैं।

गतिविधियाँ

(क)	बादल	–	मेघ	जलद	पुत्र	–	सुत	बेटा
	चाँद	–	चंद्र	चंद्रमा				
	तालाब	–	ताल	सर				
	शंख	–	जलज	कंबु				
	कमल	–	नीरज	सरोज				
(ख)	उपकार	×	अपकार		अनागत	×	आगत	
	निराकार	×	साकार		अनुराग	×	विराग	

अध्याय-19 वाक्य

बहुविकल्पी

1. दो अंग 2. संदेहवाचक 3. निषेधवाचक 4. संयुक्त 5. मिश्र

लिखित प्रश्न

(क) 1. परिश्रम करने वाला उत्तीर्ण होगा।
2. बादल आने पर वर्षा होगी।
3. आप अंदर आकर बातें कीजिए।
4. कजरी के आते ही नेहा चल दी।

(ख) 1. ज्यों ही जेब कतरे ने पुलिस को देखा, वह भाग गया।
2. जैसे ही ट्रेन आई वैसे ही मैं उस पर चढ़ गया।
3. जब सीमा हँस रही थी तब मैंने उसे देखा।
4. जैसे ही परिचालक ने सीटी बजाई वैसे ही बस चल दी।

(ग) 1. रजनी ने खाना खाया और वह सो गई।
2. अलका को कुछ खरीदना या और वह बाजार जा रही है।
3. बारिश हो रही थी अत: वह नहीं आया।
4. सामने लड़का बैठा था और वह घर चला गया।

मौखिक प्रश्न

1. सार्थक शब्दों के मेल से बनी रचना वाक्य कहलाती है।
2. वार के अंग हैं- उद्देश्य तथा विधेय।
3. रचना के आधार र वाक्य के तीन भेद होते हैं।
4. अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं।

गतिविधियाँ

1. रमेश विद्यालय जाता है।
2. रमेश विद्यालय नहीं जाता है।
3. क्या! रमेश विद्यालय जा रहा है।
4. शायद रमेश विद्यालय जाए।
5. रमेश विद्यालय जाए।
6. रमेश विद्यालय जाता तो ठीक होता।
7. रमेश को विद्यालय जाना चाहिए।
8. क्या रमेश विद्यालय जाता है?

अध्याय-20 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

बहुविकल्पी

1. मूर्ख 2. बहुत प्यारा 3. होश ठिकाने आना 4. शर्मिंदा होना

लिखित प्रश्न

(क) 1. बहुत कम 2. बहुत शोर करना 3. अपमानित करना 4. कंजूस होना
5. कष्ट देना 6. बहुत प्रयास करना

(ख) 1. → 4 2. → 5 3. → 6 4. → 3
5. → 2 6. → 1

(ग) 1. ऊँची दुकान फीके पकवान
2. एक अनार सौ बीमार
3. जिसकी लाठी उसकी भैंस
4. कर नहीं तो डर नहीं

गतिविधियाँ

1. आँखे भर आना/आँखों का तारा
2. चिकना घड़ा
3. अगूँठा दिखाना
4. घी के दीये जलाना
5. कान खाना
6. ईद का चाँद होना

अध्याय-21 विराम-चिह्न

1. वाह-वाह! यह तो कमाल हो गया।
2. सुमन कहाँ गई है?
3. रमन, करण, धर्म और नरेश सभी छात्र हैं।
4. नेता जी ने कहा- "दिल्ली चलो।"
5. राधिका, तुम कहाँ जा रही हो?
6. लोकेश दिन-रात पढ़ता रहता है।
7. खाना खा लो, फिर चलेंगे।
8. बस्ता ले आओं; बस आ गई।
9. श्याम कहाँ खेल रहा है?
10. राजेश! उधर कहाँ जा रहे हो?